From the session 2023-24, the textbooks are rationalised under the new National Education Policy 2020. This *Sanjiv Refresher* is Completely based on the new rationalised textbooks.

Sanjiv®

Refresher

- Solutions of all the Exercises of the Text Books
- Inclusion of Additional Important Questions
- Hindi Translation of all the Lessons of English & Sanskrit and Explanation of Hindi Poems in easy Hindi
- Inclusion of Grammar in Hindi, English and Sanskrit Subjects as per the Text Books

Class 7

Price 680.00

Sanjiv Prakashan, Jaipur

Visit us at : www.sanjivprakashan.com

All In One

Class-7

CONTENTS

ENGLISH

HONEYCOMB

1. Three Questions 1
   1(i) The Squirrel 8
2. A Gift of Chappals 10
   2(i) The Rebel 20
3. Gopal and the Hilsa-Fish 23
   3(i) The Shed 26
4. The Ashes That Made Trees Bloom 28
   4(i) Chivvy 35
5. Quality 38
   5(i) Trees 44
6. Expert Detectives 46
   6(i) Mystery of the Talking Fan 52
7. The Invention of Vita-Wonk 54
   7(i) Dad and the Cat and the Tree 58
   7(ii) Garden Snake 61
8. A Homage to Our Brave Soldiers 62
   8(i) Meadow Surprises 76

GRAMMAR AND VOCABULARY

GRAMMAR

1. Articles 79
2. Adjective (Degrees of Comparison) 81
3. Adverbs of Manner 84
4. Preposition 86
5. Tenses 88
6. 'IF' For Open Condition 100
7. Framing Questions 102
8. Indirect Speech/Reported Speech 104
9. Phrasal Verbs 108

VOCABULARY

1. Sound 112
2. Missing Letter 113
3. Opposites/Antonyms 114
4. Homophones 118
5. Number 120
6. Gender 124
7. Suitable Words 125
8. One Word 128
9. Prefix and Suffix 133
10. Odd-One-Out 135

READING

Unseen Passages 136-142

WRITING

1. Paragraph Writing 142-153
2. Story Writing 153-162
3. Dialogue-Writing 162-163
4. Letter/Application Writing 163-170
Letters 163
Applications 166
Oral Examination 170-174
Useful Words of Daily Use 174-176

हिन्दी

वसंत : भाग-2

1. हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता) 177
2. हिमालय की बेटियाँ (निबन्ध) 181
3. कठपुतली (कविता) 186
4. मिठाईवाला (कहानी) 189
5. पापा खो गए (नाटक) (मराठी) 193
6. शाम-एक किसान (कविता) 197
7. अपूर्व अनुभव (संस्मरण) (जापानी) 201
8. रहीम के दोहे (कविता) 204
9. एक तिनका (कविता) 208
10. खान-पान की बदलती तसवीर (निबन्ध) 211
11. नीलकण्ठ (रेखाचित्र) 216
12. भोर और बरखा (कविता) 221
13. वीर कुँवर सिंह (जीवनी) 224
14. संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिजाज हो गया : धनराज (साक्षात्कार) 229
15. आश्रम का अनुमानित व्यय (लेखा-जोखा) 232

व्याकरण-खण्ड **236-260**

1. संज्ञा, 2. सर्वनाम, 3. विशेषण, 4. क्रिया, 5. वचन, 6. कारक, 7. लिंग, 8. सन्धि, 9. समास, 10. उपसर्ग, 11. प्रत्यय, 12. विलोम, 13. पर्यायवाची, 14. तत्सम शब्द, 15. युग्म शब्द, 16. अशुद्धि, 17. मुहावरे, 18. लोकोक्तियाँ/कहावतें, 19. शब्द-समूह के लिए एकल शब्द (स्थानापन्न शब्द), 20. पुनरुक्त शब्द, 21. अनेकार्थक शब्द, 22. विराम चिह्न

अपठित **261-263**

रचना

1. पत्र-लेखन 264-266
2. निबन्ध-लेखन 266-273
3. कहानी-लेखन 273-275

मौखिक परीक्षा **276**

संस्कृत

रुचिरा– द्वितीयो भागः

प्रथमः पाठः सुभाषितानि 277
द्वितीयः पाठः दुर्बुद्धिः विनश्यति 280
तृतीयः पाठः स्वावलम्बनम् 284
चतुर्थः पाठः पण्डिता रमाबाई 288
पञ्चमः पाठः सदाचारः 293
षष्ठः पाठः सङ्कल्पः सिद्धिदायकः 296
सप्तमः पाठः त्रिवर्णः ध्वजः 301
अष्टमः पाठः अहमपि विद्यालयं गमिष्यामि 306
नवमः पाठः विश्वबन्धुत्वम् 311
दशमः पाठः समवायो हि दुर्जयः 315
एकादशः पाठः विद्याधनम् 319
द्वादशः पाठः अमृतं संस्कृतम् 322
त्रयोदशः पाठः लालनगीतम् 326

व्याकरण एवं लेखन/रचना **329-360**
(परिशिष्ट सहित)

1. वर्णविचारः, 2. कारकम्, 3. शब्द-रूपाणि, 4. धातु-रूपाणि, 5. संख्यावाचकाः शब्दाः (१ तः १००), 6. विशेषण, 7. सन्धि-ज्ञानम्, 8. प्रत्यय, 9. उपसर्ग-ज्ञानम्, 10. अव्यय-ज्ञानम्, 11. विलोम-पदानि, 12. पर्याय-पदानि, 13. चित्र-वर्णनम् (वाक्य-रचना), 14. प्रार्थना-पत्रम्, 15. संस्कृत अनुवाद, 16. लघु निबन्ध रचना, 17. कथालेखनम्, 18. अपठित-अवबोधनम्

श्लोक-लेखनम् **360**

SCIENCE

1. Nutrition in Plants 361
2. Nutrition in Animals 370
3. Heat 379
4. Acids, Bases and Salts 387

5. Physical and Chemical Changes 393
6. Respiration in Organisms 402
7. Transportation in Animals and Plants 413
8. Reproduction in Plants 422
9. Motion and Time 431
10. Electric Current and its Effects 440
11. Light 447
12. Forests : Our Lifeline 455
13. Wastewater Story 461

MATHEMATICS

1. Integers 470
2. Fractions and Decimals 477
3. Data Handling 490
4. Simple Equations 500
5. Lines and Angles 511
6. The Triangle and its Properties 524
7. Comparing Quantities 542
8. Rational Numbers 554
9. Perimeter and Area 566
10. Algebraic Expressions 575
11. Exponents and Powers 583
12. Symmetry 592
13. Visualising Solid Shapes 602
Brain-Teasers 611

SOCIAL SCIENCE

Our Pasts–II (History)

1. Introduction : Tracing Changes Through a Thousand Years 614
2. Kings and Kingdoms 622
3. Delhi : 12th to 15th Century 630
4. The Mughals : 16th to 17th Century 637
5. Tribes, Nomads and Settled Communities 644
6. Devotional Paths to the Divine 652
7. The Making of Regional Cultures 662
8. Eighteenth Century Political Formations 670

Social and Political Life–II

Unit I : Equality in Indian Democracy
1. On Equality 677
Unit II : State Government
2. Role of the Government in Health 682
3. How the State Government Works 690
Unit III : Gender
4. Growing up as Boys and Girls 697
5. Women Change the World 703
Unit IV : Media
6. Understanding Media 709
Unit V : Markets
7. Markets Around Us 716
8. A Shirt in the Market 723

Our Environment (Geography)

1. Environment 731
2. Inside Our Earth 736
3. Our Changing Earth 742
4. Air 748
5. Water 754
6. Human Environment Interactions The Tropical and the Subtropical Region 759
7. Life in the Deserts 765

Our Rajasthan

1. Forest, Wildlife and its Conservation 771
2. Minerals and Power Resources 774
3. Agriculture and Irrigation 777
4. Agricultural Marketing in Rajasthan 781
5. Trade in Rajasthan 785
6. The Prominent Rulers of Rajasthan 789
7. Independence Movement and Rajasthan 792
8. Social and Educational Reforms in Rajasthan Before Independence 798
9. The Contribution of Rajasthan in the Making of the Constitution 803
Map Based Questions 808-811

English—Class 7

HONEYCOMB

1. Three Questions
[तीन प्रश्न]

—Leo Tolstoy

आपके पढ़ने से पूर्व—एक राजा के तीन प्रश्न हैं और वह उनका उत्तर ढूंढ़ रहा है। वे प्रश्न क्या हैं? क्या राजा को वह मिलता है जो वह चाहता है?

कठिन शब्दार्थ एवं हिन्दी अनुवाद

I

The thought came ..... every action. (Pages 7-8)

कठिन शब्दार्थ—thought (थॉट्) = विचार। **certain** (सट्न्) = निश्चित। **listen to** (लिसन टु) = सुनना। **therefore** (देअरफॉ(र)) = इसलिए। **messengers** (मेसिन्ज(र्)स) = दूत, संदेशवाहक। **throughout** (थ्रूआउट्) = सम्पूर्ण। **kingdom** (किङ्डम्) = राज्य। **promising** (प्रोमिसिङ्) = वादा करते हुए। **a large sum** (अ लाज् सम्) = एक बड़ी धन-राशि। **wise men** (वाइज् मेन्) = बुद्धिमान व्यक्ति। **answered** (आन्स(र्)ड) = उत्तर दिया। **questions** (क्वेस्चन्स) = प्रश्नों। **differently** (डिफ्रन्ट्लि) = अलग-अलग तरह से। **reply** (रिप्लाइ) = जवाब। **prepare** (प्रिपेअ(र)) = तैयार करना। **then** (देन्) = फिर। **follow** (फॉलो) = पालन करना। **strictly** (स्ट्रिक्ट्लि) = कठोरता से। **proper** (प्रॉप(र)) = उचित। **impossible** (इम्पॉसब्ल्) = असम्भव। **decide** (डिसाइड्) = निश्चित करना। **in advance** (इन् अड्वान्स्) = पहले से ही। **notice** (नोटिस्) = देखना। **was going on** (वाज गउइंग ऑन) = जारी था। **avoid** (अवॉइड्) = बचना। **foolish** (फूलिश्) = मूर्खता। **pleasures** (प्लेश(र्)स) = खुशियाँ। **whatever** (वॉट्एव(र)) = जो कुछ भी। **seemed** (सीम्ड) = प्रतीत हो। **necessary** (नेसेसरि) = आवश्यक। **yet** (येट्) = किन्तु। **needed** (नीडिड्) = आवश्यकता थी। **council** (काउन्स्ल्) = परिषद्। **act** (एक्ट्) = कार्य करना। **because** (बिकॉज्) = क्योंकि। **correctly** (कॅरेक्ट्लि) = ठीक से। **without** (विदाउट्) = के बिना। **action** (ऐक्श्न्) = कार्य।

हिन्दी अनुवाद—एक बार एक राजा के दिमाग में यह विचार आया कि यदि वह तीन बातें जान जाए तो वह जीवन में कभी असफल नहीं होगा। ये तीन बातें थीं—किसी कार्य को आरम्भ करने का उचित समय क्या है? उसे किन लोगों की बात सुननी चाहिए? उसके करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य क्या है?

अत: राजा ने अपने सम्पूर्ण राज्य में दूत यह वादा करते हुए भेजे कि जो कोई भी इन तीन प्रश्नों का उत्तर देगा, वह उसे एक बड़ी धन-राशि (उपहारस्वरूप) देगा।

अनेक बुद्धिमान व्यक्ति राजा के पास आये किन्तु उन सभी ने राजा के प्रश्नों के अलग-अलग तरह से उत्तर दिये।

प्रथम प्रश्न के उत्तर में कुछ बुद्धिमान लोगों ने कहा कि राजा को एक उचित समय सारणी अवश्य ही तैयार करनी चाहिए और फिर इसका कठोरता से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल इस तरीके से ही राजा प्रत्येक कार्य को ठीक समय पर कर पायेगा। अन्य बुद्धिमान लोगों ने कहा कि किसी कार्य को करने के उचित समय का पहले से ही पता लगा लेना असम्भव था। वर्तमान में जारी सभी कार्यों को राजा को देखना चाहिए, मूर्खतापूर्ण खुशियों से बचना चाहिए तथा हमेशा उन कार्यों को करना चाहिए जो उस समय करने आवश्यक हों। फिर भी कुछ अन्य लोगों ने कहा कि राजा को बुद्धिमान व्यक्तियों की एक परिषद् की आवश्यकता है जो राजा को उचित समय पर कार्य करने में सहायता कर सके। इसका कारण यह था कि दूसरे अन्य लोगों की मदद के बिना प्रत्येक कार्य को करने का सही समय निर्धारित कर पाना किसी एक व्यक्ति के लिए असम्भव है।

But then others ..... breathed heavily. (Pages 8-9)

कठिन शब्दार्थ–urgent (अजन्ट्) = अत्यावश्यक। **decision** (डिसिश्न्) = निर्णय। **future** (फ्यूच(र)) = भविष्य। **magicians** (मजिशन्ज) = जादूगरों। **councillors** (काउन्सल(र्)स) = सलाहकारों। **priests** (प्रीस्ट्स) = पुजारियों/पुरोहितों। **a few** (अ फ्यु) = कुछ। **chose** (चोज) = चुना। **soldiers** (सोल्ज(र्)स) = सैनिकों। **science** (साइन्स्) = विज्ञान। **fighting** (फाइटिङ्) = लड़ाई। **religious** (रिलिजस्) = धार्मिक। **worship** (वशिप्) = पूजा। **satisfied** (सैटिस्फाइड्) = संतुष्ट। **reward** (रिवॉड्) = इनाम। **instead** (इन्स्टेड) = के बजाय। **seek** (सीक्) = लेना। **advice** (अड्वाइस्) = सलाह। **hermit** (हमिट्) = संन्यासी। **widely** (वाइड्लि) = दूर-दूर तक। **known for** (नोन् फॉ(र)) = प्रसिद्ध होना। **wisdom** (विज्डम्) = बुद्धिमानी। **wood** (वुड्) = जंगल/वन। **put on** (पुट् ऑन्) = पहनना। **ordinary** (ऑडिन्रि) = साधारण। **reached** (रीच्ट) = पहुँचा। **bodyguard** (बॉडिगार्ड) = अंगरक्षक। **digging** (डिगिङ्) = खोदते हुए। **ground** (ग्राउन्ड्) = जमीन। **in front of** (इन् फ्रन्ट् ऑफ्) = के सामने। **greeted** (ग्रीटिड) = अभिवादन किया। **continued** (कन्टिन्यूड) = जारी रखा। **breathed** (ब्रीद्ड) = श्वांस ली। **heavily** (हेविलि) = जोर-जोर से।

हिन्दी अनुवाद–किन्तु फिर अन्य लोगों ने कहा कि कुछ ऐसे कार्य भी हो सकते हैं जो अत्यावश्यक हों। ये कार्य सलाहकार परिषद् के निर्णय तक रोके नहीं रखे जा सकते हैं। किसी कार्य को करने के उचित समय की निश्चितता के लिए भविष्य की जानकारी आवश्यक होती है। और केवल जादूगर ही यह कार्य कर सकते हैं। राजा को इसलिए जादूगरों के पास जाना पड़ेगा।

दूसरे प्रश्न के उत्तर में कुछ ने कहा कि राजा के लिए सर्वाधिक आवश्यक लोग उसके सलाहकार थे। जबकि अन्य दूसरे ने कहा कि पुरोहितों की सर्वाधिक आवश्यकता है। कुछ अन्य दूसरे ने चिकित्सकों की आवश्यकता होने को चुना। और कुछ अन्य लोगों ने कहा कि राजा के सैनिक सर्वाधिक आवश्यक हैं।

तीसरे प्रश्न के उत्तर में कुछ लोगों ने विज्ञान के लिए कहा। दूसरे अन्य लोगों ने लड़ाई को चुना तथा कुछ अन्य ने धार्मिक पूजा को चुना।

चूँकि राजा के प्रश्नों के उत्तर बहुत ही भिन्न-भिन्न थे इसलिए राजा उनसे सन्तुष्ट नहीं हुआ और कोई इनाम नहीं दिया। इसके बजाय उसने एक एकान्तवासी संन्यासी की सलाह लेने का निश्चय किया जो कि अपनी बुद्धिमानी के लिए दूर-दूर तक जाना जाता था।

वह संन्यासी एक जंगल में रहता था जिसे छोड़कर वह कभी बाहर नहीं जाता था। वह केवल साधारण लोगों से ही मिलता था इसलिए राजा ने भी साधारण वस्त्र धारण कर लिए। उस संन्यासी की कुटिया में पहुँचने से पहले राजा ने अपने घोड़े को अपने अंगरक्षक के पास छोड़ दिया और अकेले ही आगे गया।

जैसे ही राजा उस संन्यासी की झोंपड़ी के पास आया उसने संन्यासी को अपनी झोंपड़ी के सामने जमीन खोदते हुए देखा। उसने राजा का अभिवादन किया और जमीन खोदना जारी रखा। संन्यासी वृद्ध एवं कमजोर था और चूँकि वह कठिन परिश्रम कर रहा था इसलिए वह जोर-जोर से साँस ले रहा था।

The king went ..... said the hermit. (Pages 9-10)

कठिन शब्दार्थ–affairs (अफेअ(र्)स) = कार्य। **spade** (स्पेड्) = फावड़ा। **beds** (बेड्ज) = क्यारियाँ। **stopped** (स्टॉप्ट) = रुका। **repeated** (रिपीटिड्) = दोहराये। **stood up** (स्टुड् अप्) = खड़ा हो गया। **stretching out** (स्ट्रेचिङ् आउट्) = फैलाते हुए। **passed** (पास्ट) = गुजर गया। **stuck** (स्टक्) = अटका। **return** (रिटन्) = लौटना।

हिन्दी अनुवाद–राजा संन्यासी के पास गया और बोला, ''हे बुद्धिमान संन्यासी, मैं तीन प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने के लिए आपके पास आया हूँ—मैं सही वक्त पर सही कार्य करना कैसे जान सकता हूँ? वे कौन लोग हैं जिनकी मुझे सर्वाधिक आवश्यकता है? और कौनसे कार्य सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण हैं?''

संन्यासी ने राजा की बात सुनी लेकिन बोला कुछ नहीं। उसने खुदाई जारी रखी। 'आप थक गये हैं', राजा ने कहा, 'लाइए, फावड़ा मुझे दीजिए और आपके स्थान पर कार्य करने दीजिए।'

राजा को अपना फावड़ा देते हुए उस संन्यासी ने कहा, 'धन्यवाद।' फिर वह जमीन पर बैठ गया।

जब राजा दो क्यारियाँ खोद चुका था तो वह रुका और अपने प्रश्न दोहराये। संन्यासी ने कोई उत्तर नहीं दिया, तथापि वह खड़ा हो गया, फावड़े के लिए अपने हाथ फैलाते हुए उसने कहा, 'अब आप आराम करें और मुझे कार्य करने दें।'

हिन्दी–कक्षा 7

वसंत : भाग-2

पाठ 1 : हम पंछी उन्मुक्त गगन के

(शिवमंगल सिंह 'सुमन')

पाठ-परिचय–इस कविता के रचयिता शिवमंगल सिंह 'सुमन' हैं। इसमें अन्य सभी सुविधाओं की तुलना में पक्षियों के माध्यम से आजादी को श्रेष्ठ बताया गया है।

सप्रसंग व्याख्याएँ–

(1) **हम पंछी उन्मुक्त गगन के**
पिंजरबद्ध न गा पाएँगे,
कनक-तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएँगे।
हम बहता जल पीने वाले
मर जाएँगे भूखे-प्यासे,
कहीं भली है कटुक निबौरी
कनक-कटौरी की मैदा से।

कठिन-शब्दार्थ–उन्मुक्त = आजाद, खुले हुए। **गगन** = आकाश। **पिंजरबद्ध** = पिंजरे में कैद होकर। **कनक-तीलियाँ** = सोने की छड़ें। **पुलकित** = रोमांचित। **कटुक** = कड़वी। **निबौरी** = नीम का फल।

प्रसंग–यह पद्यांश श्री शिवमंगल सिंह 'सुमन' द्वारा रचित 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' शीर्षक कविता से लिया गया है। यहाँ पिंजरे में बन्द पक्षी मनुष्य से अपनी अभिलाषा व्यक्त करते हुए कहते हैं।

व्याख्या–पक्षी कहते हैं कि हम खुले आसमान में उड़ने वाले आजाद पक्षी हैं। इसलिए पिंजरे में कैद होकर हम अपना मधुर गान नहीं गा सकेंगे। भले ही वह पिंजरा सोने का बना हुआ क्यों न हो? उल्लास में खुले हुए हमारे पंख पिंजरे में लगी इन सोने की तीलियों (सलाखों) से टकराकर टूट जाएँगे।

हम पक्षी नदियों और झरनों का बहता जल पीने वाले हैं। हम पिंजरे में कैद होकर भूखे-प्यासे रहकर मर जाएँगे। हमारे लिए पिंजरे में सोने की कटोरी में रखे हुए मैदा से तो अच्छी नीम की कड़वी निबौरी है। भाव यह है कि पिंजरे में कैद होकर सोने की कटोरी में रखी मैदा खाने से आजाद होकर खुले आकाश में उड़ना अधिक अच्छा है।

(2) **स्वर्ण-शृंखला के बंधन में**
अपनी गति, उड़ान सब भूले,
बस सपनों में देख रहे हैं
तरू की फुनगी पर के झूले।
ऐसे थे अरमान कि उड़ते
नील नभ की सीमा पाने,
लाल किरण-सी चोंच खोल
चुगते तारक-अनार के दाने।

कठिन-शब्दार्थ–स्वर्ण-शृंखला = सोने की जंजीर। **गति** = चाल। **तरु** = पेड़। **फुनगी** = पेड़ का सबसे ऊपरी भाग। **अरमान** = इच्छा। **नभ** = आकाश। **सीमा** = सरहद, किनारा। **चुगते** = चुगना, खाना। **तारक** = तारे।

प्रसंग–यह पद्यांश 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' शीर्षक कविता से लिया गया है। इसके रचयिता श्री शिवमंगल सिंह 'सुमन' हैं। यहाँ पक्षी अपने बंधनयुक्त जीवन की परेशानियों और अपनी इच्छाओं को व्यक्त कर रहे हैं।

व्याख्या–पक्षी कहते हैं कि सोने की इन जंजीरों में बँधकर हम अपनी स्वाभाविक चाल और उड़ने के ढंग आदि सभी को भूल गये हैं। पेड़ों की फुनगी पर बैठना और पंखों के सहारे झूलना, अब तो हमारे लिए बस सपने की बात बनकर रह गयी है।

इस बंधन में पड़ने से पहले हमारी भी यही इच्छा थी कि हम इस खुले नीले आसमान की सीमा तक उड़ें और सूर्य की लाल किरणों के समान अपनी चोंच खोलकर आकाश में छाये तारों रूपी अनार के दाने चुगते रहें।

(3) होती सीमा हीन क्षितिज से
इन पंखों की होड़ा-होड़ी,
या तो क्षितिज मिलन बन जाता
या तनती साँसों की डोरी।

नीड़ न दो, चाहे टहनी का
आश्रय छिन्न-भिन्न कर डालो,
लेकिन पंख दिए हैं तो
आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।

कठिन-शब्दार्थ–सीमा हीन = जिसकी सीमा नहीं, असीम। **क्षितिज** = जहाँ धरती और आकाश मिलते हैं। **होड़ा-होड़ी** = एक-दूसरे से आगे बढ़ने की चाह, प्रतिस्पर्द्धा। **तनती साँसें** = प्राणांत के समय टूटती साँसें। **नीड़** = घोंसला। **आश्रय** = सहारा। **छिन्न-भिन्न** = नष्ट-भ्रष्ट। **आकुल-उड़ान** = उड़ने की अधीरता। **विघ्न** = बाधा।

प्रसंग–यह पद्यांश श्री शिवमंगल सिंह 'सुमन' द्वारा रचित 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' शीर्षक कविता से लिया गया है। पक्षी यहाँ अपने भावों को व्यक्त कर रहे हैं।

व्याख्या–पक्षी कहते हैं कि स्वतन्त्र रहते हुए आसमान की ऊँचाइयों को छूते हुए उनके पंखों में इस प्रकार की होड़ लग जाती कि उड़ते-उड़ते या तो वे क्षितिज को पा जाते या फिर अपने प्राण गँवा देते।

पक्षी कहते हैं कि चाहे उन्हें रहने के लिए घोंसला न दो। टहनी का आश्रय भी तहस-नहस कर दो, लेकिन ईश्वर ने उन्हें पंख दिए हैं तो उनकी उड़ान में बाधा न डालो। उन्हें आजादी के साथ उड़ने दो।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

कविता से–

प्रश्न 1. हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उत्तर–हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में इसलिए बंद नहीं रहना चाहते, क्योंकि उन्हें बंधन में रहना पसन्द नहीं। वे अपनी इच्छा के अनुसार खुले आसमान में ऊँची उड़ान भरना, बहता जल पीना और निबौरियाँ खाना ही चाहते हैं।

प्रश्न 2. पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?

उत्तर–पक्षी उन्मुक्त रहकर आकाश की सीमा जानना चाहते हैं, क्षितिज से प्रतियोगिता करना चाहते हैं, बहता जल पीकर, कड़वी निबौरियाँ खाकर, पेड़ों की ऊँची टहनियों पर झूलकर और अपनी चोंच से आकाश के अनार के दाने रूपी तारे चुगकर अपनी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं।

प्रश्न 3. भाव स्पष्ट कीजिए–

''या तो क्षितिज मिलन बन जाता। या तनती साँसों की डोरी।''

उत्तर–भाव–उपर्युक्त पंक्ति में पक्षी अपनी हार्दिक इच्छा प्रकट कर कहता है कि यदि मैं आजाद होता तो उस असीम क्षितिज से मेरी होड़ा-होड़ी हो जाती। मैं अपने पंखों से उड़कर या तो उस क्षितिज से जाकर मिल जाता या फिर मेरा प्राणान्त हो जाता।

कविता से आगे–

प्रश्न 1. बहुत से लोग पक्षी पालते हैं–

(क) पक्षियों को पालना उचित है अथवा नहीं? अपने विचार लिखिए।

(ख) क्या आपने या आपकी जानकारी में किसी ने कभी कोई पक्षी पाला है? उसकी देखरेख किस प्रकार की जाती होगी, लिखिए।

उत्तर–(क) भले ही लोग अपने शौक के लिए पक्षी पालते हों, पर हमारे विचार से पक्षियों को पालना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है, क्योंकि भगवान ने पक्षियों को स्वच्छन्दता के साथ जीवन जीने के लिए बनाया है। इसीलिए उन्हें उड़ने के लिए पंख दिए। इसी कारण अपनी इच्छा से ऊँची से ऊँची उड़ान भरना, पेड़ों पर घोंसले बनाकर रहना, बहता पानी पीना और फल-फूल खाना उनकी प्रवृत्ति है। तो भला पक्षी पिंजरे में कैद रहकर कैसे खुश रह सकता है। हमें उनकी आजादी में बाधक नहीं बनना चाहिए।

उत्तर–(ख) हाँ, हमने भी एक बार तोता पाला था। मेरे पिताजी ने उसे एक बहेलिया से खरीदा था। पिताजी उसके

संस्कृत–कक्षा 7

रुचिरा-द्वितीयो भागः

प्रथमः पाठः–सुभाषितानि
(सुन्दर वचन)

पाठ-सार–संस्कृत-साहित्य सुभाषितों (सुन्दर वचनों) का भण्डार है। प्रस्तुत पाठ में अत्यन्त सरल एवं महत्त्वपूर्ण कुल छः श्लोक हैं, जिनमें जीवनोपयोगी सुन्दर-वचन संकलित हैं।

पाठ के कठिन-शब्दार्थ–पृथिव्याम् = धरती पर। **सुभाषितम्** = सुन्दर वचन। **मूढैः** = मूर्खों के द्वारा। **पाषाणखण्डेषु** = पत्थर के टुकड़ों में। **रत्नसंज्ञा** = रत्न का नाम। **विधीयते** = किया/समझा जाता है। **धार्यते** = धारण किया जाता है। **तपते** = जलता है। **वाति** = बहता है/बहती है। **वायुश्च** (वायुः + च) = पवन भी। **प्रतिष्ठितम्** = स्थित है। **तपसि** = तपस्या में। **शौर्ये** = बल में। **नये** = नीति में। **विस्मयः** = आश्चर्य। **बहुरत्ना** = अनेक रत्नों वाली। **वसुन्धरा** = पृथिवी। **सद्भिरेव** (सद्भिः+एव) = सज्जनों के साथ ही। **सहासीत** (सह+आसीत) = साथ बैठना चाहिए। **कुर्वीत** = करना चाहिए। **सद्भिर्विवादम्** (सद्भिः+विवादम्) = सज्जनों के साथ झगड़ा। **क्षमावशीकृतिर्लोके** (क्षमावशीकृतिः+लोके) = संसार में क्षमा (सबसे बड़ा) वशीकरण है। **नासद्भिः** (न+असद्भिः) = असज्जन लोगों के साथ नहीं। **धनधान्यप्रयोगेषु** = धनधान्य के प्रयोग में। **संग्रहेषु** = संग्रहों में, संचय करने में। **त्यक्तलज्जः** = संकोच या भीरुता को छोड़ने वाला। **शान्तिखड्गः** = शान्ति की तलवार।

पाठ के श्लोकों का अन्वय एवं हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–

(1)

पृथिव्यां त्रीणि ..... विधीयते॥

अन्वयः–पृथिव्यां जलम्, अन्नम्, सुभाषितं त्रीणि (एव) रत्नानि (सन्ति)। मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते।

हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में वास्तविक रूप से रत्न क्या हैं, इसके बारे में कहा गया है कि सभी के लिए लाभदायक एवं उपयोगी जल, अन्न और सुन्दर वचन–ये तीन ही इस पृथ्वी पर रत्न हैं। हीरे आदि पत्थर के टुकड़ों को तो मूर्ख लोग ही रत्न नाम से कहते हैं। अर्थात् मूर्ख रत्न के वास्तविक महत्त्व को नहीं जानते हैं।

(2)

सत्येन धार्यते ..... प्रतिष्ठितम्॥

अन्वयः–पृथ्वी सत्येन धार्यते। रविः सत्येन तपते। वायुश्च सत्येन वाति। (अतः) सत्ये सर्वं प्रतिष्ठितम्।

हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में सत्य के महत्त्व का वर्णन करते हुए कहा गया है कि सत्य से ही पृथ्वी धारण की जाती है, सत्य से ही सूर्य तपता है, सत्य से ही वायु बहती है तथा संसार में जो भी कुछ है वह सब सत्य पर ही निर्भर है।

(3)

दाने तपसि शौर्ये ..... वसुन्धरा॥

अन्वयः–दाने तपसि शौर्ये विज्ञाने विनये नये च विस्मयः न कर्त्तव्यः। हि वसुन्धरा बहुरत्ना (वर्तते)।

हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में 'बहुरत्ना वसुन्धरा' इस सूक्ति के द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह भूमि अनेक रत्नों वाली है। यहाँ एक से बढ़कर एक दानी, तपस्वी, बलशाली, वैज्ञानिक, विनम्र तथा नीतिज्ञ हैं, अतः इनके कार्य दान, तपस्या आदि में आश्चर्य नहीं करना चाहिए। ये सभी इस पृथ्वी के अमूल्य रत्न हैं।

(4)

सद्भिरेव सहासीत ..... किञ्चिदाचरेत्॥

अन्वयः–सद्भिः सह इव आसीत। सद्भिः सङ्गतिं कुर्वीत। सद्भिः (सह) विवादं मैत्री च (कुर्वीत)। असद्भिः (सह) किञ्चिद् न आचरेत्।

हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में सत्संगति के महत्त्व को दर्शाते हुए कहा गया है कि सज्जनों के साथ ही रहना चाहिए, सज्जनों के साथ ही संगति करनी चाहिए तथा सज्जनों के साथ ही मित्रता अथवा विवाद करना चाहिए, किन्तु दुर्जनों के साथ किसी भी प्रकार का व्यवहार नहीं रखना चाहिए, सज्जनों का साथ हर प्रकार से लाभदायक होता है, किन्तु दुर्जनों की संगति सर्वथा हानिकारक ही होती है।

(5)

धनधान्यप्रयोगेषु ..... सुखी भवेत्॥

अन्वयः–धनधान्यप्रयोगेषु, विद्यायाः संग्रहेषु च आहारे च व्यवहारे त्यक्तलज्जः सुखी भवेत्।

हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में संकोच अथवा लज्जा कहाँ नहीं करनी चाहिए, इसका सदुपदेश देते हुए कहा गया है कि धन-धान्य के प्रयोग में, विद्या-प्राप्ति में, भोजन में तथा व्यवहार में संकोच या लज्जा को छोड़ देना चाहिए, जिससे व्यक्ति सुखी हो जाता है। इनमें लज्जा करने से व्यक्ति को कष्ट उठाना पड़ता है। जैसे भोजन के समय संकोच करने से व्यक्ति भूखा ही रह जाता है।

(6)

क्षमावशीकृतिर्लोके ..... करिष्यति दुर्जनः॥

अन्वयः–लोके क्षमा वशीकृतिः, क्षमया किं न साध्यते? यस्य करे शान्तिखड्गः (अस्ति), दुर्जनः (तस्य) किं करिष्यति?

हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में क्षमाशीलता के महत्त्व को दर्शाते हुए कहा गया है कि क्षमाशीलता से संसार में सभी को वश में तथा सभी कार्यों को सिद्ध किया जा सकता है। शान्ति (क्षमा) रूपी तलवार होने पर दुर्जन व्यक्ति भी उसका कुछ भी अहित नहीं कर सकता है। अर्थात् क्षमाशीलता एक सर्वश्रेष्ठ शस्त्र है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सर्वान् श्लोकान् सस्वरं गायत।

(सभी श्लोकों का सस्वर गान कीजिए।)

उत्तर–नोट–पाठ के सभी श्लोकों का अध्यापकजी की सहायता से गान कीजिए।

प्रश्न 2. यथायोग्यं श्लोकांशान् मेलयत–

(यथा-योग्य श्लोकों के अंशों का मिलान कीजिए–)

क	ख
धनधान्यप्रयोगेषु	नासद्भिः किञ्चिदाचरेत्।
विस्मयो न हि कर्त्तव्यः	त्यक्तलज्जः सुखी भवेत्।
सत्येन धार्यते पृथ्वी	बहुरत्ना वसुन्धरा।
सद्भिर्विवादं मैत्रीं च	विद्यायाः संग्रहेषु च।
आहारे व्यवहारे च	सत्येन तपते रविः।

उत्तरम्–(i) धनधान्यप्रयोगेषु विद्यायाः संग्रहेषु च।
(ii) विस्मयो न हि कर्त्तव्यः बहुरत्ना वसुन्धरा।
(iii) सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रविः।
(iv) सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भिः किञ्चिदाचरेत्।
(v) आहारे व्यवहारे च त्यक्तलज्जः सुखी भवेत्।

प्रश्न 3. एकपदेन उत्तरत–(एक पद में उत्तर दीजिए–)

(क) पृथिव्यां कति रत्नानि?
(ख) मूढैः कुत्र रत्नसंज्ञा विधीयते?
(ग) पृथिवी केन धार्यते?
(घ) कैः सङ्गतिं कुर्वीत?
(ङ) लोके वशीकृतिः का?

उत्तराणि–(क) त्रीणि (ख) पाषाणखण्डेषु (ग) सत्येन (घ) सद्भिः (ङ) क्षमा।

प्रश्न 4. रेखाङ्कितपदानि अधिकृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–

(रेखांकित पदों को अधिकृत करके प्रश्न-निर्माण कीजिए–)

(क) सत्येन वाति वायुः।
उत्तरम्–केन वाति वायुः?
(ख) सद्भिः एव सहासीत।
उत्तरम्–कैः एव सहासीत?
(ग) वसुन्धरा बहुरत्ना भवति।
उत्तरम्–का बहुरत्ना भवति?
(घ) विद्यायाः संग्रहेषु त्यक्तलज्जः सुखी भवेत्।

SCIENCE–CLASS 7

1. Nutrition in Plants

Summary

- Carbohydrates, proteins, fats, vitamins and minerals are component of food. These component of food are called nutrients and are necessary for our body.
- All living organisms require food. Plants can synthesise food for themselves but animals including humans cannot. They get it from plants or animals that eat plants. Thus, humans and animals are directly or indirectly dependent on plants for food.
- The nutrients enable living organisms to build their bodies, to grow, to repair damaged parts of their bodies and provide the energy to carry out life processes.
- Nutrition is the mode of taking food by an organism and its utilisation by the body.
- The mode of nutrition in which organisms make food themselves from simple substances is called autotrophic nutrition. Plants are autotroph.
- Animals and most other organisms take in food prepared by plants. They are called heterotrophs.
- Leaves are the food factories of plants.
- The solar energy is captured by the leaves and stored in the plant in the form of food. Thus, the sun is the ultimate source of energy for all living organisms.
- During photosynthesis, chlorophyll containing cells of leaves, in the presence of sunlight, use carbon dioxide and water to synthesise carbohydrates.

$$\text{Carbon dioxide} + \text{Water} \xrightarrow[\text{Chlorophyll}]{\text{Sunlight}} \text{Carbohydrate} + \text{Oxygen}$$

- Proteins are nitrogenous substances which contain nitrogen.
- Like humans and animals, some plants (which do not have chlorophyll) depend on the food produced by other plants. Such plants can be parasite or insectivorous plants.
- The mode of nutrition in which organisms take in nutrients from dead and decaying matter is called saprotrophic nutrition. Such organisms with saprotrophic mode of nutrition are called saprotrophs.
- The fungal spores are generally present in the air. When they land on wet and warm things, they germinate and grow.
- Some organisms live together and share both shelter and nutrients. This relationship is called symbiosis. For example – Rhizobium in root nodules of leguminous plants.
- Fertilisers and manures contain nutrients as nitrogen, potassium, phosphorous, etc. These nutrients need to be added from time to time to enrich the soil.

In Text Questions

Page 1

Q. 1. Boojho wants to know how plants prepare their own food ?

Ans. Green plants can make their own food from simple substances like CO_2 and water present in the surroundings by the process of photosynthesis. In plants, water and minerals present in the soil are absorbed by roots and CO_2 is taken from air through stomata. The leaves have green pigment called chlorophyll, which helps to capture the energy from sunlight. Hence, the leaves containing chlorophyll synthesize carbohydrate in the presence of CO_2, H_2O and sunlight.

$$6CO_2 + 6H_2O \xrightarrow[\text{Sunlight}]{\text{Chlorophyll}} C_6H_{12}O_6 + 6O_2$$

Q. 2. Paheli wants to know why our body cannot make food from carbon dioxide, water and minerals like plants do?

Ans. Our body cannot make food from carbon dioxide, water and minerals like plants do because our body has no chlorophyll which can absorb the solar energy. The solar energy is used to synthesize food from CO_2 and water.

Page 2

Q. 3. Boojho wants to know how water and minerals absorbed by roots reach to the leaves ?

Ans. Water and minerals are transported to the leaves by the vessels (xylem) which run like pipes throughout the roots, the stem, the branches and the leaves. These vessels form a continuous path or passage for the nutrients to reach the leaf.

Q. 4. Paheli wants to know what is so special about the leaves that they can synthesis food but other parts of the plant cannot ?

Ans. The leaves have green pigment called chlorophyll. It helps leaves to absorb the energy of sunlight to synthesize food. That is why, the leaves can synthesize food but other parts of the plant cannot.

Page 3

Q. 5. Boojho has observed some plants with deep red, violet or brown leaves. He wants to know whether these leaves also carry out photosynthesis.

Ans. Yes, these leaves also carry out the process of photosynthesis. The leaves other than green also have chlorophyll. The large amount of red, brown and other pigments mask the green colour. Photosynthesis takes place in these leaves also.

Page 5

Q. 6. Paheli wants to know whether mosquitoes, bedbugs, lice and leeches that suck our blood are also parasites.

Ans. Parasites are those organisms which feed and derive nourishment from other organism. Parasites live on the host permanently. However, bedbugs, lice and leeches are not actually parasites. They may feed on our blood but they certainly don't live and depend on us.

Q. 7. Boojho is confused. If the pitcher plant is green and carries out photosynthesis then why does it feed on insects?

Ans. Pitcher plant is the insectivorous plant. It grows in soil which is deficient in nitrogen. It is green in colour and carries out photosynthesis to prepare part of its own food. But, to meet nitrogen requirements, insectivorous pitcher plants feed on insects.

Page 6

Q. 8. Boojho wants to know how these organisms acquire nutrients. They do not have mouth like animals do. They

MATHEMATICS–CLASS 7

1. Integers

Important Points

1. Integers are closed under addition and subtraction. In general, for any two integers a and b, $a + b$ and $a - b$ both are integers.
2. Addition is commutative for integers. Thus for any two integers a and b, we can say $a + b = b + a$.
3. Addition is associative for integers. Thus for any integers a, b and c, we can say $(a + b) + c = a + (b + c)$.
4. Zero is an additive identity for integers. In general, for any integer a, $a + 0 = 0 + a = a$.
5. Product of a positive and a negative integer is a negative integer, whereas the product of two negative integers is a positive integer.
6. Product of even number of negative integers is positive, whereas the product of odd number of negative integers is negative.
7. Integers show some properties under multiplication :
   (i) Integers are closed under multiplication. That is, $a \times b$ is an integer for any two integers a and b.
   (ii) Multiplication is commutative for integers. That is, $a \times b = b \times a$ for any integers a and b.
   (iii) The integer 1 is the identity under multiplication, *i.e.,*
   $$1 \times a = a \times 1 = a \text{ for any integer } a.$$
   (iv) Multiplication is associative for integers, *i.e.,* $(a \times b) \times c = a \times (b \times c)$ for any three integers a, b and c.
8. Under addition and multiplication, integers show a property called distributive property. That is, $a \times (b + c) = a \times b + a \times c$ for any three integers a, b and c.
9. The properties of commutativity, associativity under addition and multiplication and the distributive property help us to make our calculations easier.
10. When a positive integer is divided by a negative integer, the quotient obtained is a negative integer and vice-versa.
11. Division of a negative integer by another negative integer gives a positive integer as quotient.
12. For any integer a, we have :
    (i) $a \div 0$ is not defined.
    (ii) $a \div 1 = a$
    (iii) $0 \div a = 0$ (if $a \neq 0$).

In Text Questions

Page 4 Try These

Q. 1. Write a pair of integers whose sum gives :
(a) a negative integer (b) zero
(c) an integer smaller than both the integers.
(d) an integer smaller than only one of the integers.
(e) an integer greater than both the integers.

Sol. : (a) $(-5) + 3 = -2$
(b) $(2) + (-2) = 0$
(c) $(-2) + (-5) = (-7)$
(d) $(-5) + 3 = -2$
(e) $5 + 2 = 7$

Q. 2. Write a pair of integers whose difference gives :
(a) a negative integer
(b) zero
(c) an integer smaller than both the integers.
(d) an integer greater than only one of the integers.
(e) an integer greater than both the integers.

Sol. : (a) 4 and 9
Difference : $4 - 9 = -5$ (negative integer)
(b) -6 and -6
Difference : $-6 - (-6) = 0$
(c) 8 and 5
Difference : $8 - 5 = 3$
(3 is smaller than 8 as well as 5)
(d) 13 and 4
Difference : $13 - 4 = 9$
(9 is greater than 4)
(e) 11 and -7
Difference : $11 - (-7) = 18$
(18 is greater than 11 as well as -7)

Page 5 Try These

Q. Find : (i) $4 \times (-8)$, (ii) $8 \times (-2)$, (iii) $3 \times (-7)$, (iv) $10 \times (-1)$ using number line.

Sol. :

(i)
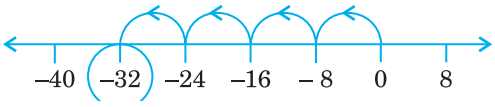

So, $4 \times (-8) = (-32)$

(ii)
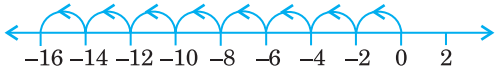

So, $8 \times (-2) = (-16)$

(iii)
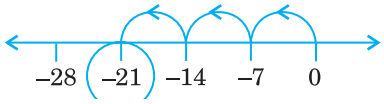

So, $3 \times (-7) = (-21)$

(iv)
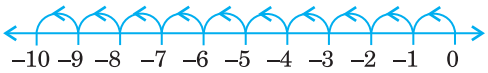

So, $10 \times (-1) = (-10)$

Page 6 Try These

Q. Find :
(i) $6 \times (-19)$
(ii) $12 \times (-32)$
(iii) $7 \times (-22)$

Sol. : (i) $6 \times (-19) = -(6 \times 19) = -114$
(ii) $12 \times (-32) = -(12 \times 32) = -384$
(iii) $7 \times (-22) = -(7 \times 22) = -154$

Page 7 Try These

Q. 1. Find :
(a) $15 \times (-16)$ (b) $21 \times (-32)$
(c) $(-42) \times 12$ (d) -55×15

Sol. : Since $-a \times b = -(a \times b) = a \times -b$
(a) $-(15 \times 16) = -240$
(b) $-(21 \times 32) = -672$
(c) $-(42 \times 12) = -504$
(d) $-(55 \times 15) = -825$

Q. 2. Check if (a) $25 \times (-21) = (-25) \times 21$
(b) $(-23) \times 20 = 23 \times (-20)$
Write five more such examples.

Sol. : (a) LHS $= 25 \times (-21)$
$= -(25 \times 21) = -525$
RHS $= -25 \times 21$
$= -(25 \times 21) = -525$
LHS = RHS Hence verified.

SOCIAL SCIENCE—CLASS 7

OUR PASTS-II (HISTORY)

1. Introduction : Tracing Changes Through A Thousand Years

Summary

- The history of every country in the world is divided into three periods : (1) Ancient, (2) Medieval and (3) Modern.
- The period from 700 AD to 1750 AD is considered to be medieval period. This chapter examines the changes in the Indian subcontinent during these thousand years.
- **New and Old Terminologies**—Historical records exist in a variety of languages with different grammar and vocabulary. The difference is not just with regard to grammar and vocabulary, the meanings of words also change over time.
- The term Hindustan' was used in 13th century by Minhaj-i-Siraj, a chronicler who wrote in Persian.
- In early 16th century, Babur used 'Hindustan' to describe the subcontinent along with its flora and fauna.
- 14th century poet Amir Khusrau used the word 'Hind'.
- **Historians and their Sources**—(1) Roughly from 700 to 1750 AD, historians rely on coins, inscriptions, architecture and textual records for information. The number and variety of textual records increased during this period.

  (2) Manuscripts were written in many forms during this period. Historians get detailed information from these manuscripts stored in libraries and archives.

  (3) But due to various reasons, differences in replicas of these manuscripts create a serious problem.
- **New Social and Political Groups**—(1) From 700 to 1750 AD, there were large-scale and many changes. Such as—new technology, new food and new ideas.

  (2) Rajputs, Marathas, Sikhs, Jats, Ahoms and Kayasthas were the main communities in this period.

  (3) Significant economic and social differences emerged amongst peasants. As society became more differentiated, people were grouped into Jatis or sub-castes.
- People were ranked on the basis of their backgrounds and their occupations.
- **Region and Empire**—(1) Many great empires flourished during this period like the Cholas, the Khaljis, the Tughluq, the Mughals, etc. Not all of these empires were equally stable or successful.

  (2) The subcontinent was divided into several regions ruled by different empires who left behind many different traditions and cultures.
- **Old and New Religions**—(1) Changes in Hindus led to worship of new deities, construction of temples and increased importance of Brahmanas and the priests, who were supported by the patrons.

(2) Along with Hinduism, Islam also developed as a new religion.

- **Thinking about Time and Historical Periods**—(1) The British historians divided the history of India into three periods : 'Hindu', 'Muslim', and 'British'. Few historians follows this periodisation.

  (2) Such a division by British historians ignores the rich diversity of India and major economic, social and cultural factors that took place.

In-text Questions

Page 02

Q. Look at the areas in the interior of the Subcontinent on Map 2 refer to Text Book. Are they as detailed as those on the coast ? Follow the course of the River Ganga and see how it is shown. Why do you think there is a difference in the level of detail and accuracy between the coastal and inland areas in this map ?

Ans. No, the areas in the interior of the subcontinent on Map 2 are not as detailed as on the coast. This map was used by European sailors and merchants and they did not go to the inland places of India. They traded with the people in the coastal areas. Therefore, the level of detail and accuracy of coastal areas is more in the map.

Page 03

Q. Can you think of any other words whose meanings changed in different contexts ?

Ans. The word 'Jana' was initially used to address a particular group. Later it was used for land and then used for population.

Page 04

Q. When was paper more expensive and easily available in the thirteenth or the fourteenth century?

Ans. During the 13th century paper was expensive, but during the 14th century it was less expensive and easily available.

Page 08

Q. Of the technological, economic, social and cultural changes described in this section, which do you think were most significant in the town or village in which you live ?

Ans. Students need to do themselves for the village or town in which they live.

Page 10

Q. Make a list of the languages mentioned by Amir Khusrau. Prepare another list of the names of languages spoken today in the regions he mentioned.

Ans. List of languages mentioned by Amir Khusrau : Sindhi, Lahori, Kashmiri, Dvarsamudri,Telangani, Gujarati, Ma'bari, Gauri, Awadhi and Hindawi.

List of the languages spoken today in the regions mentioned by Amir Khusrau.

Region	Language Spoken Today
Sindh (presently in Pakistan)	Sindhi
Lahore(presently in Pakistan)	Punjabi/Lahori
Kashmir	Kashmiri
Karnataka	Kannada
Gujarat	Gujarati
Andhra Pradesh	Telugu
Tamil Nadu	Tamil
Uttar Pradesh	Hindi
Bengal	Bengali
Delhi	Hindi

Q. 2. Why do you think rulers made such claims?

Ans. Rulers made such claims to show their power and control over large areas of land in different parts of India and also to gain popularity as a mighty ruler.